Dr. Sangita Kumari Saha
B.A. D-II(H) IIIrd paper.

Mood Disorders

मनोदशा विकृति एक ऐसी मानसिक विकृति है जिसमें प्रभावित व्यक्ति के भाव, संवेग एवं संबंधित मानसिक दशाओं में इतना उतार-चढ़ाव होता है कि वह अपनी दिन प्रतिदिन के जीवन में adjustment का सामान्य स्तर बनाकर नहीं रख पाता है और उसकी सामाजिक एवं पेशेवर जिन्दगी में तरह तरह की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। इस तरह की मानसिक विकृति में प्रभावित की मनोदशा में कभी तो काफी विषाद देखा जाता है तो कभी विषाद एवं सुखाभास दोनों ही बारी बारी से होते देखा गया है। चाहे मानसिक अवसाद विषादात्मक हो या सुखाभासात्मक, रोगी का adjustment बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। प्रभावित को चिकित्सा देना अनिवार्य हो जाता है। Indian academy of Clinical psychiatry के एक नवीनतम अध्ययन जिसे 2000 में प्रकाशित किया गया, के अनुसार भारत की सामान्य जनसंख्या का करीब 5% या लगभग 5 करोड़ भारतीयों में मनोदशा विकृति का रोग पाया जाता है।

D.S.M IV (TR) में तीन तरह के मनोदशा विकृति का वर्णन किया गया है

- Depressive disorder.
  - Dysthymic disorder.
  - Major depressive disorder.
- Biopolar disorder.
  - Cyclothymic disorder
  - Biopolar I disorder.
  - Biopolar II disorder.

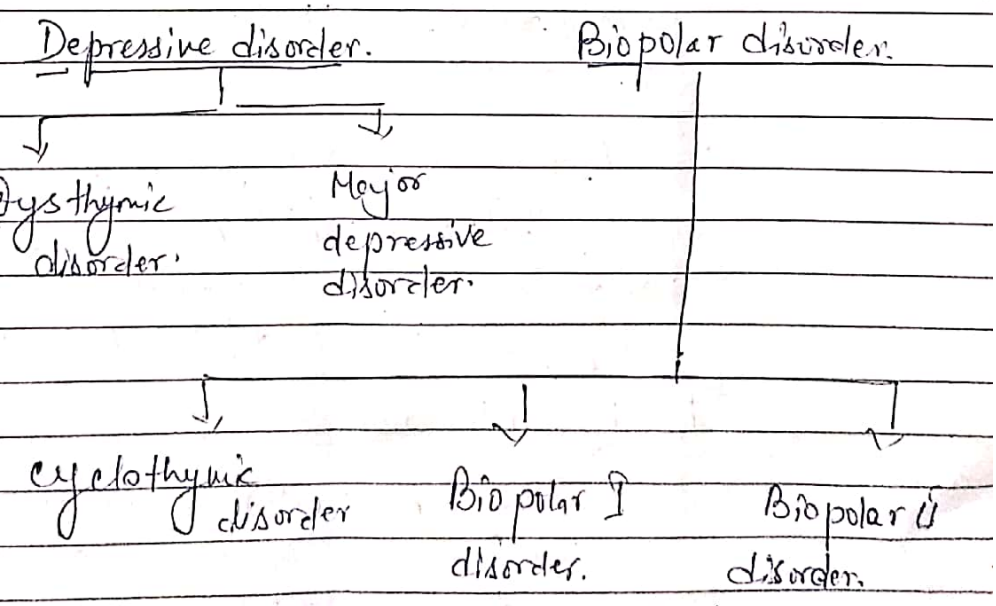

Depressive disorder को Uni polar disorder भी कहा जाता है और इसका मुख्य लक्षण व्यक्ति में उदासी एवं विषाद का होना है। इसके अतिरिक्त इनमें भूख, नींद एवं शारीरिक वजन में कमी होते पायी जाती है।

Scanned with CamScanner

व्यक्ति का activation level काफी कम हो जाता है।

(A) Dysthymic disorder.→ इस विकृति में विषादी मनोदशा का स्वरूप चिरकालिक होता है। कई वर्षों से व्यक्ति की मनोदशा विषादी होती है।

(B) Major depressive disorder→ इस विकृति में व्यक्ति एक या एक से अधिक कई विषादी घटनाओं का अनुभव किया जाता है। व्यक्ति प्रत्येक चीज में अपनी अभिरुचि खो चुका होता है तथा उन्हें कोई कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसे व्यक्तियों में नींद की कमी, शारीरिक वजन की कमी, अयोग्य होने का भाव, आत्महत्या की प्रवृत्ति अधिक होती है।

(2) Bipolar disorder. द्विध्रुवीय विकृति वैसी विकृति को कहा जाता है जिसमें व्यक्ति या रोगी में बारी-बारी से विषाद तथा उन्माद दोनों तरह की अवस्थाएँ होती पायी गई है। D.S.M. IV TR में Bipolar disorder के तीन प्रकार बतलाया गया है —:

(i) Cyclothymic disorder.→ dysthymic disorder के समान विकृति में भी मनोदशा में चिरकालिक दुर्बलता पायी जाती है। स्नायविक/उन्मादी व्यवहार दोनों ही पाये जाते हैं परन्तु इन दोनों में से किसी को भी गंभीरता ऐसी नहीं होती है कि वे DSM-IV द्वारा निर्धारित कसौटी को छू सके।

(ii) Bipolar I disorder. द्विध्रुवीय एक विकृति जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि वैसी विकृति होती है जिसमें रोगी या व्यक्ति एक या एक से अधिक उन्माद की घटना तथा एक या एक से अधिक depression की घटना की अनुभूति आवश्य किया होता है।

(iii) Bipolar II disorder: द्विध्रुवीय दो विकृति वैसी मानसिक विकृति होती है जिसमें रोगी को कम से कम एक hypomanic मानसिक अवस्था का अनुभव तथा एक या एक से अधिक विषादी मानसिक अवस्थाओं का अनुभव हो चुका होता है। इसमें रोगी को कभी उन्मादी मानसिक अवस्था का अनुभव नहीं होता। द्विध्रुवीय दो विकृति में उन्मादी व्यवहार की गंभीरता कम होती है जबकि द्विध्रुवीय एक विकृति में उन्मादी व्यक्ति व्यवहार अधिक गंभीर मात्रा में दिखलाता है।

—x—

Scanned with CamScanner